दोहे

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016
लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 1.

बिहारी ने जगत को तपोवन क्यों कहा है और इससे क्या संदेश देना चाहा है?

Answer:

बिहारी को प्रचंड ताप वाली गर्मी से व्याकुल होकर साँप व मोर तथा मृग व बाघ जैसे जन्मजात हिंसक-अहिंसक जीव-जंतु एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य को देखकर ही बिहारी ने जगत को तपोवन-सा कहा है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि हिंसक-अहिंसक जीव-जंतुओं में परस्पर प्रेम तो केवल तपोवन अर्थात तपस्वियों व देवताओं के वन में ही होता है।

Question 2.

बिहारी ने ईश्वर प्राप्ति में किन साधनों को साधक और किनको बाधक माना है?

Answer:

कवि बिहारी ने ईश्वर प्राप्ति के लिए निश्छल भक्ति भावना को महत्त्व दिया है। उनके अनुसार अंतःकरण को शुद्ध रखना, मन की स्थिरता और ईश्वर के प्रति सच्ची आस्था, ईश्वर प्राप्ति में साधक है। माला के मनकों से ईश्वर का नाम जपना, माथे पर तिलक लगाना, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थलों में जाना, धर्म के नाम पर किए जाने वाले आडंबर हैं इन आडंबरों से उस प्रभु को खुश नहीं किया जा सकता। ये बाहरी आडंबर तो उस ईश्वर को प्राप्त करने में बाधक ही बनते हैं।

Question 3.

भरे-पूरे घर-परिवार में भी नायक-नायिका कैसे बात करते हैं? बिहारी के दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

भरे-पूरे घर-परिवार में भी नायक-नायिका आँखों-ही-आँखों में बात कर लेते हैं। उनके हाव-भावों और विभिन्न चेष्टाओं को कवि बिहारी ने अत्यंत कुशलता से चित्रित किया है। नायक, नायिका से आँखों के संकेतों से प्रणय निवेदन करता है। नायिका सिर हिलाकर मना कर देती है। नायक, नायिका के मना करने के तरीके पर रीझ जाता है। नायिका उसकी इस प्रेम भरी मुस्कराहट को देखकर खीझ जाती है। बनावटी क्रोध दिखाती है। नायक उसके खीझने पर प्रसन्न होता है। दोनों के नेत्र मिलते हैं। दोनों की आँखों में प्रेम-स्वीकृति का भाव उभरता है। स्वीकृति पाकर नायक प्रसन्न हो उठता है जिस पर नायिका लजा जाती है। इस प्रकार आँखों के संकेतों की भाषा से दोनों अपने मन की बातें कर लेते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता है।

2015
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 4.

ग्रीष्म ऋतु में संसार तपोवन-सा कैसे हो जाता है? बिहारी के 'दोहे' के आधार पर उत्तर दीजिए।

Answer:

बिहारी को प्रचंड ताप वाली गर्मी से व्याकुल होकर साँप व मोर तथा मृग व बाघ जैसे जन्मजात हिंसक-अहिंसक जीव-जंतु एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य को देखकर ही बिहारी ने जगत को तपोवन-सा कहा है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि हिंसक-अहिंसक जीव-जंतुओं में परस्पर प्रेम तो केवल तपोवन अर्थात तपस्वियों व देवताओं के वन में ही होता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 5.

बिहारी ने माला जपने और तिलक लगाने को व्यर्थ कहकर क्या संदेश देना चाहा है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

कवि बिहारी के अनुसार ईश्वर भक्ति के लिए मन में ईश्वर के प्रति पूर्ण विश्वास, सच्चा हृदय और अटूट श्रद्धा अनिवार्य है। माला के मनकों से ईश्वर का नाम जपना, माथे पर तिलक लगाना तथा मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थलों में जाना केवल बाह्याडंबर हैं। मन में कुविचार रखकर बाह्य रूप से राम नाम जपकर उस प्रभु को प्राप्त नहीं किया जा सकता। वह राम तो सच्ची भक्ति से ही एकनिष्ठ प्रेम द्वारा ही प्राप्त होते हैं।

Question 6.

बिहारी के दोहे में जगत को तपोवन-सा कहा गया है? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है?

Answer:

बिहारी को प्रचंड ताप वाली गर्मी से व्याकुल होकर साँप व मोर तथा मृग व बाघ जैसे जन्मजात हिंसक-अहिंसक जीव-जंतु एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य को देखकर ही बिहारी ने जगत को तपोवन-सा कहा है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि हिंसक-अहिंसक जीव-जंतुओं में परस्पर प्रेम तो केवल तपोवन अर्थात तपस्वियों व देवताओं के वन में ही होता है।

2014

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 7.

बिहारी के दोहों में लोकव्यवहार और नीतिज्ञान आदि की बातें भी मिलती हैं। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Answer:

कवि बिहारी मुख्य रूप से अपने शृंगार परक दोहों के लिए जाने जाते हैं, किंतु उन्होंने लोक व्यवहार एवं नीतिज्ञान आदि विषयों पर भी लिखा है। उन्होंने पशु-पक्षियों के माध्यम से मानव मात्र को वैरभाव भूलकर सद्भाव से रहने की सीख दी है। ईश्वर भक्ति के लिए बाहरी दिखावों की नहीं वरन हृदय की शुद्धता की आवश्यकता होती है, इस बात पर बल दिया है। 'जप माला, छापे तिलक सरै न एकौ काम' कहकर उन्होंने धर्म के इन्हीं बाहरी आडंबरों का विरोध किया है। लोक व्यवहार में नायक-नायिका के मध्य प्रेम की शालीनता को भी कवि बिहारी अत्यधिक मर्यादित रूप में व्यक्त करते हैं।

Question 8.

गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है? 'दोहे' कविता के आधार पर अपने श में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
श्रीकृष्ण को बाँसुरी अत्यधिक प्रिय है। वे दिन-रात बाँसुरी को अपने साथ रखते हैं और बाँसुरी उनके अधरों पर रहती है। जिस कारण गोपियों को श्रीकृष्ण से बातचीत का अवसर नहीं मिल पाता। वे श्रीकृष्ण की बाँसुरी इसलिए छुपा लेती हैं, ताकि श्रीकृष्ण बाँसुरी खोजते हुए उनके पास आएँ, उनसे बातचीत करें और वे उनकी बातों का आनंद ले सकें।

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 9.
निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

सोहत ओढ़ैं पीत पटु स्याम सलौने गात।
मनौ नीलमणि-सैल पर, आतपु पर्‌यौ प्रभात ॥
जपमाला, छापैं, तिलक सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु ॥

(i) दोहे में किसके सौंदर्य का चित्रण है–
(क) नीलमणि शैल
(ख) प्रभात की धूप
(ग) राधाजी
(घ) श्रीकृष्ण

(ii) नीलम के पर्वत से श्रीकृष्ण की तुलना क्यों की गई है?
(क) विशालता और महानता के कारण।
(ख) सुबह की धूप पड़ने के कारण।
(ग) रंग और दीप्ति के कारण।
(घ) स्याम सलौने होने के कारण।

(iii) सुबह की धूप की कल्पना का आधार है–
(क) प्रातःकाल का सौंदर्य।
(ख) पीले वस्त्रों की चमक।
(ग) नीलम के पर्वत का सौंदर्य।
(घ) श्रीकृष्ण के चेहरे की दमक।

(iv) ईश्वर को वही प्रिय है जो–
(क) तपस्या करता है।
(ख) सत्यनिष्ठ है।
(ग) भक्ति करता है।
(घ) माला जपता है।

(v) 'जपु-माला, छापैं, तिलक' हैं–
(क) हिंदू होने की पहचान।
(ख) धर्म के बाहरी चिह्न।
(ग) निरर्थक लक्षण।
(घ) कच्चे मन का सहारा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (घ) श्रीकृष्ण
(*ii*) (ग) रंग और दीप्ति के कारण।
(*iii*) (ख) पीले वस्त्रों की चमक।
(*iv*) (ख) सत्यनिष्ठ है।
(*v*) (ख) धर्म के बाहरी चिह्न।

2013
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 10.

कवि बिहारी का विश्वास है कि सच्चे मन में ही राम बसते हैं, बाह्य आडंबर में नहीं। बिहारी-रचित दोहे के संदर्भ में प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

Answer:

प्रस्तुत दोहे के संदर्भ में बिहारी कहते हैं कि माला का जाप करने, छपे वस्त्र पहनने तथा लंबा तिलक लगाने जैसे बाह्य आडंबरों से ईश्वर प्रसन्न नहीं होते। उन्हें तो मन की सच्चाई और पवित्रता से बहुत प्रेम है। अतः यदि ईश्वर को प्रसन्न करना है, तो मन को सच्चा व पवित्र बनाने का प्रयास करना चाहिए।

Question 11.

श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाने के पीछे गोपियों का क्या प्रयोजन निहित है? स्पष्ट कीजिए।

Answer:

श्रीकृष्ण को बाँसुरी अत्यधिक प्रिय है। वे दिन-रात बाँसुरी को अपने साथ रखते हैं और बाँसुरी उनके अधरों पर रहती है। जिस कारण गोपियों को श्रीकृष्ण से बातचीत का अवसर नहीं मिल पाता। वे श्रीकृष्ण की बाँसुरी इसलिए छुपा लेती हैं, ताकि श्रीकृष्ण बाँसुरी खोजते हुए उनके पास आएँ, उनसे बातचीत करें और वे उनकी बातों का आनंद ले सकें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 12.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

कहलाने एकत बसत अहि, मयूर, मृग, बाघ।
जगतु तपोवन सौ कियौ, दीरघ-दाघ निदाघ ॥

(i) **प्रस्तुत दोहे में किन प्राणियों में आपसी बैर बताया गया है?**

(क) मानव और दानव में, आतंकी और उपद्रवी में
(ख) सिंह और चूहे में, कौआ और कोयल में
(ग) साँप और मोर में, हिरण और बाघ में
(घ) तोता और चिड़ीमार में, तैराक और मछली में

(ii) **ये प्राणी आपसी बैर कब भूल जाते हैं?**

(क) आपत्ति आने पर
(ख) एक जगह रहने पर
(ग) ग्रीष्म की अत्यधिक गर्मी होने पर
(घ) भोजन न मिलने पर

(iii) **कवि ने ग्रीष्म ऋतु की तुलना किससे की है?**

(क) पेट की आग से
(ख) तपोवन से
(ग) दावानल से
(घ) सूरज से

(iii) **कवि ने ग्रीष्म ऋतु की तुलना किससे की है?**

(क) पेट की आग से
(ख) तपोवन से
(ग) दावानल से
(घ) सूरज से

(iv) **'दीरघ-दाघ निदाघ' का अर्थ है–**

(क) गर्मी के लंबे दिन
(ख) सूरज की गर्मी वाला आसमान
(ग) लंबी और तपाने वाली रातें
(घ) ग्रीष्म ऋतु की तेज़ गर्मी

(v) **पद्यांश में 'एकत' शब्द का तत्सम रूप है–**

(क) एकता
(ख) एकल
(ग) एकत्र
(घ) एकांत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (ग) साँप और मोर में, हिरण और बाघ में

(*ii*) (ग) ग्रीष्म की अत्यधिक गर्मी होने पर

(*iii*) (ख) तपोवन से

(*iv*) (घ) ग्रीष्म ऋतु की तेज़ गर्मी

(*v*) (ग) एकत्र

Question 13.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह।
देखि दुपहरी जेठ की छाँहौं चाहति छाँह ॥

(*i*) **अत्यंत गहन वन में कौन बैठी है?**

(क) नायिका (ख) दोपहरी

(ग) चाँदनी (घ) छाया

(*ii*) **छाया पाने की इच्छा कब होती है?**

(क) जेठ की भीषण गर्मी में (ख) सूरज उगने पर

(ग) वर्षा होने पर (घ) वन में आग लगने पर

(*iii*) **'पैठि सदन' का तात्पर्य है–**

(क) आकाश में प्रवेश कर (ख) अपने घर में प्रवेश कर

(ग) अपने घर से दूर जाकर (घ) अपने घर को छोड़कर

(*iv*) **निम्नलिखित में 'सदन' का समानार्थक नहीं है–**

(क) गेह (ख) निकेतन

(ग) सघन (घ) आलय

(*v*) **प्रस्तुत दोहे की भाषा है–**

(क) मैथिली (ख) अवधी

(ग) ब्रज (घ) हिन्दी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (घ) छाया

(*ii*) (क) जेठ की भीषण गर्मी में

(*iii*) (ख) अपने घर में प्रवेश कर

(*iv*) (ग) सघन

(*v*) (ग) ब्रज

Question 14.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।
कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात ॥

(*i*) **नायिका अपना संदेशा नायक तक क्यों नहीं भेज पा रही है?**

(क) लिखने में असमर्थता के कारण (ख) लाज के कारण

(ग) दूर रहने के कारण (घ) अस्वस्थ रहने के कारण

(*ii*) **नायिका ने अपने मन की बात नायक को कैसे कही?**

(क) पत्र लिखकर (ख) संकेत देकर

(ग) हृदय से (घ) आँखों से

(*iii*) **नायक नायिका की बात कैसे समझेगा?**

(क) नायिका के पत्र से (ख) अपने हृदय से

(ग) नायिका के स्वप्न-दर्शन से (घ) नायिका के इशारे से

(*iv*) **'सँदेसु' शब्द का शुद्ध तत्सम शब्द है–**

(क) स्वदेश (ख) संदेश

(ग) संदेस (घ) सदेश

(*v*) **प्रस्तुत दोहा किस भाषा में लिखा गया है?**

(क) आधुनिक हिंदी (ख) अवधी

(ग) भोजपुरी (घ) ब्रज

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (क) लिखने में असमर्थता के कारण

(*ii*) (ग) हृदय से

(*iii*) (ख) अपने हृदय से

(*iv*) (घ) संदेश

(*v*) (घ) ब्रज

2012

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 15.

बिहारी के दोहे में गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा देती हैं?

Answer:

श्रीकृष्ण को बाँसुरी अत्यधिक प्रिय है। वे दिन-रात बाँसुरी को अपने साथ रखते हैं और बाँसुरी उनके अधरों पर रहती है। जिस कारण गोपियों को श्रीकृष्ण से बातचीत का अवसर नहीं मिल पाता। वे श्रीकृष्ण की बाँसुरी इसलिए छुपा लेती हैं, ताकि श्रीकृष्ण बाँसुरी खोजते हुए उनके पास आएँ, उनसे बातचीत करें और वे उनकी बातों का आनंद ले सकें।

Question 16.

बिहारी की गोपियाँ कृष्ण की मुरली छिपाकर अपने पास क्यों रखती हैं? मुरली छिपाने में उनकी कौन-सी भावना थी? स्पष्ट कीजिए।

Answer:

श्रीकृष्ण को बाँसुरी अत्यधिक प्रिय है। वे दिन-रात बाँसुरी को अपने साथ रखते हैं और बाँसुरी उनके अधरों पर रहती है। जिस कारण गोपियों को श्रीकृष्ण से बातचीत का अवसर नहीं मिल पाता। वे श्रीकृष्ण की बाँसुरी इसलिए छुपा लेती हैं, ताकि श्रीकृष्ण बाँसुरी खोजते हुए उनके पास आएँ, उनसे बातचीत करें और वे उनकी बातों का आनंद ले सकें।

2011

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 17.

बिहारी ने एक दोहे में जगत को तपोवन-सा क्यों कहा है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

बिहारी को प्रचंड ताप वाली गर्मी से व्याकुल होकर साँप व मोर तथा मृग व बाघ जैसे जन्मजात हिंसक-अहिंसक जीव-जंतु एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य को देखकर ही बिहारी ने जगत को तपोवन-सा कहा है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि हिंसक-अहिंसक जीव-जंतुओं में परस्पर प्रेम तो केवल तपोवन अर्थात तपस्वियों व देवताओं के वन में ही होता है।

Question 18.

बिहारी कवि ने एक दोहे में बाहरी आडंबर की अपेक्षा मन की स्वच्छता को श्रेष्ठ क्यों माना है?

Answer:

ईश्वर बाहरी आडंबरों, जैसे– माला का जाप करने, लंबा तिलक लगाने व छपे वस्त्र पहनने से प्रसन्न नहीं होते, उन्हें मन की पवित्रता व स्वच्छता से प्रेम होता है। अतः मन की सच्चाई, स्वच्छता व पवित्रता द्वारा ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। इसी कारण बिहारी ने एक दोहे में बाहरी आडंबर की अपेक्षा मन की स्वच्छता को श्रेष्ठ माना है।

Question 19.

सबकी उपस्थिति में नायक-नायिका के बातें करने का वर्णन बिहारी ने किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

भरे-पूरे घर-परिवार में भी नायक-नायिका आँखों-ही-आँखों में बात कर लेते हैं। उनके हाव-भावों और विभिन्न चेष्टाओं को कवि बिहारी ने अत्यंत कुशलता से चित्रित किया है। नायक, नायिका से आँखों के संकेतों से प्रणय निवेदन करता है। नायिका सिर हिलाकर मना कर देती है। नायक, नायिका के मना करने के तरीके पर रीझ जाता है। नायिका उसकी इस प्रेम भरी मुस्कराहट को देखकर खीझ जाती है। बनावटी क्रोध दिखाती है। नायक उसके खीझने पर प्रसन्न होता है। दोनों के नेत्र मिलते हैं। दोनों की आँखों में प्रेम-स्वीकृति का भाव उभरता है। स्वीकृति पाकर नायक प्रसन्न हो उठता है जिस पर नायिका लजा जाती है। इस प्रकार आँखों के संकेतों की भाषा से दोनों अपने मन की बातें कर लेते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 20.

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

सोहत ओढ़ैं पीतु पटु स्याम, सलौनैं गात ।
मनौ नीलमनि-सैल पर आतपु पर्‌यौ प्रभात ॥
कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ ।
जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ ॥

(i) श्रीकृष्ण ने पीत वस्त्र कहाँ पर ओढ़ा हुआ है?

(क) काले सिर पर
(ख) पतली कमर पर
(ग) साँवले शरीर पर
(घ) बड़े कंधों पर

(ii) श्रीकृष्ण के शरीर पर पीला वस्त्र कैसा लग रहा है?

(क) जल में नीले आसमान की छाया की तरह झिलमिल
(ख) नीले आकाश में इंद्रधनुष की तरह जगमगाता
(ग) नदी में पर्वत की छाया की तरह फैलता
(घ) नीलमणि के पर्वत पर सूरज की सुनहरी किरणों की तरह चमकता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) किन प्राणियों में आपसी वैर-भाव नहीं है?

(क) मनुष्य और घोड़े में

(ख) हिरण और बाघ में

(ग) साँप और मोर में

(घ) चूहा और बिल्ली में

(iv) आपसी वैर वाले प्राणी शत्रुता कब भूल जाते हैं?

(क) भीषण वर्षा में

(ख) अत्यधिक गर्मी में

(ग) भूकंप आने पर

(घ) वसंत ऋतु के सुहावने मौसम में

(v) ग्रीष्म ऋतु में संसार कैसा हो जाता है?

(क) स्वच्छ दर्पण जैसा

(ख) घने जंगल जैसा

(ग) तपोवन जैसा

(घ) नदी-तट के समान

Answer:

(i) (ग) साँवले शरीर पर

(ii) (घ) नीलमणि के पर्वत पर सूरज की सुनहरी किरणों की तरह चमकता

(iii) (क) मनुष्य और घोड़े में

(iv) (ख) अत्यधिक गर्मी में

(v) (ग) तपोवन जैसा

2010

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 21.

भाव स्पष्ट कीजिए–

'कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात।'

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

यह पंक्ति सुप्रसिद्ध कवि बिहारी द्वारा रचित 'दोहे' से उद्धृत है। प्रस्तुत पंक्ति में नायिका अपने प्रियतम से कह रही है कि वह उसे संदेशवाहक के द्वारा संदेश भेजना तो चाहती है, परंतु उसे लाज आती है। अतः वह चाहती है कि नायक अपने हृदय से ही उसके हृदय की बात पूछ ले क्योंकि प्रेम में दोनों के हृदय की स्थिति एक जैसी ही है। अतः नायक अपनी स्थिति से ही नायिका की स्थिति का अनुमान लगा लेगा।

Question 22.

'बिहारी के दोहे' में कवि ने ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए बाह्याडंबरों का विरोध कैसे किया है?

Answer:

'बिहारी के दोहे' में कवि ने ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए बाह्याडंबरों का विरोध करते हुए कहा है कि माला जपने, छापे वाले वस्त्र पहनने अथवा तिलक लगाकर भक्ति-भावना का प्रदर्शन करने से राम अर्थात ईश्वर नहीं मिलते। हृदय में यदि सच्ची भक्ति हो, तो बिना किसी दिखावे के ईश्वर की प्राप्ति होती है। बाह्य आडंबरों से मन तो प्रसन्न होता है कि हमारी भक्ति सफल है, परंतु सत्य यही है कि प्रभु तो आंतरिक भावना पर ही रीझते हैं। बाहरी दिखावे जैसे व्यर्थ के प्रयास करने से उत्तम है कि अपने मन में पवित्रता के साथ सच्ची भक्ति भावना को उजागर करें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in